SAMPLE QUESTION PAPER - 3
SUBJECT- Hindi B (085)
CLASS IX (2023-24)

निर्धारित समय: 3 hours **अधिकतम अंक:** 80

सामान्य निर्देश:

- इस प्रश्नपत्र में दो खंड हैं - खंड 'अ' और 'ब'।
- खंड 'अ' में उपप्रश्नों सहित 45 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए कुल 40 प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
- खंड 'ब' में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं, आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं।
- निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका पालन कीजिए।
- दोनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- यथासंभव दोनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

खंड अ (वस्तुपरक प्रश्न)

1. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

आज के आधुनिक समय में महिला सशक्तीकरण एक विशेष चर्चा का विषय है। हमारे आदि-ग्रंथों में नारी के महत्त्व को मानते हुए यहाँ तक बताया गया है कि ' 'यत्र नार्यस्तु पूज्यंते रमंते तत्र देवता:" अर्थात् जहाँ नारी की पूजा होती है, वहाँ देवता निवास करते हैं।
लेकिन विडंबना तो देखिए नारी में इतनी शक्ति होने के बावजूद भी उसके सशक्तीकरण की अत्यंत आवश्यकता महसूस हो रही है। महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण का अर्थ उनके आर्थिक फैसलों, आय, संपत्ति और दूसरी वस्तुओं की उपलब्धता से है, इन सुविधाओं को पाकर ही वह अपने सामाजिक स्तर को ऊँचा कर सकती है।
महिला सशक्तीकरण भौतिक या आध्यात्मिक, शारीरिक या मानसिक, सभी स्तर पर महिलाओं में आत्मविश्वास पैदा कर उन्हें सशक्त बनाने की प्रक्रिया है। महिलाओं के सामाजिक सशक्तीकरण में शिक्षा की अहम भूमिका है। ग्रामीण महिलाएँ सदियों से घर-खेत में पुरुषों के बराबर ही काम करती आई हैं, लेकिन वहाँ उन्हें सामंती सोच के कारण दूसरे दर्जे का नागरिक ही माना जाता रहा है।
ग्रामीण समाज की सोच बदलने का वक्त अब आ गया है। महिलाओं की बेहतरी के लिए गाँवों में पहल की जानी चाहिए। नारी सशक्तीकरण के इस वर्तमान दौर में महिलाएँ केवल आर्थिक रूप से सुदृढ़ ही नहीं हुई, अपितु समाज एवं परिवार की सोच में भी सकारात्मक परिवर्तन दिखाई देने प्रारंभ हो गए हैं। आज महिलाएँ प्रत्येक क्षेत्र में स्वयं के बल पर आगे बढ़ रही हैं, चाहे सामाजिक क्षेत्र हो, राजनीतिक हो, शिक्षा हो, रोज़गार हो, सभी जगह महिलाओं ने अपना परचम लहराया है। वर्तमान समय में लोग बेटियों को बोझ न समझें और दुनिया में आने से पहले मारे नहीं, इसलिए सरकार ने बहुत सारी योजनाओं; जैसे-लाडली योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ तथा उड़ान आदि की शुरुआत की है।

(i) महिला सशक्तीकरण से क्या तात्पर्य है?

क) महिलाओं को शारीरिक तथा मानसिक रूप से सशक्त बनाना
ख) महिलाओं को भौतिक तथा आध्यात्मिक रूप से सशक्त बनाना
ग) महिलाओं में आत्मविश्वास पैदा करना
घ) सभी

(ii) ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को किस तरह का नागरिक माना जाता रहा है?

क) उच्च दर्जे का
ख) मध्यम दर्जे का
ग) दूसरे दर्जे का
घ) इनमें से कोई नहीं

(iii) आज के समय में महिलाओं की स्थिति क्या है?

क) महिलाओं के प्रति समाज में सकारात्मक परिवर्तन दिख रहे है
ख) सभी
ग) आज महिलाएँ प्रत्येक क्षेत्र में स्वयं के बल पर आगे बढ़ रही हैं
घ) आर्थिक रूप से सुदृढ हो गई हैं

(iv) वर्तमान में महिलाओं ने अपना परचम किस क्षेत्र में लहराया है?

क) शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में
ख) सभी
ग) सामाजिक क्षेत्र में
घ) राजनीतिक क्षेत्र में

(v) महिला शक्तिकरण की आवश्यकता है क्योंकि-

i. उनमें शिक्षा का आभाव है
ii. उन्हें दूसरे दर्जे का माना जाता है
iii. उन्हें आर्थिक रूप से सुदृढ़ बनाने के लिए
iv. उन्हें रोकने के लिए

क) कथन i, ii व iv सही हैं
ख) कथन i, ii व iii सही हैं
ग) कथन i, ii, iii व iv सही हैं
घ) कथन ii सही है

2. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

शोर से होने वाली बहरेपन की बीमारी एक गंभीर स्वास्थ्यगत समस्या है। तेज आवाज हमारी श्रवण कोशिकाओं पर बहुत दबाव डालती है, जिससे वे स्थायी रूप से चोटिल हो सकती हैं। यदि सुनने की क्षमता एकबार चली गई तो उसे पुनः पाना नामुमकिन है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की **वर्ल्ड हीयरिंग रिपोर्ट** के मुताबिक विश्व की 1.5 अरब आबादी बहरेपन के साथ जी रही है। ध्वनि प्रदूषण दरअसल ऐसे अवांछित विद्युत चुंबकीय संकेत है, जो इंसान को कई रूपों

में नुकसान पहुँचाते हैं। इसीलिए, शोर-प्रेरित बहरेपन पर फौरन ध्यान देने की जरूरत है। वैश्विक अध्ययन बताते हैं कि निर्माण कार्य, औद्योगिक कामकाज, जहाज बनाने या मरम्मत करने संबंधी काम, अग्निशमन, नागरिक उड्डयन आदि सेवाओं में लगे श्रमिकों में शोर-प्रेरित बहरेपन का खतरा अधिक होता है। आकलन है कि 15 फीसदी नौजवान संगीत-कार्यक्रमों, खेल-आयोजनों और दैनिक कामकाज में होने वाले शोर से बहरेपन का शिकार होते हैं। शोर-प्रेरित बहरेपन की समस्या विकासशील देशों में ज्यादा है, जहाँ तीव्र औद्योगीकरण, अनौपचारिक क्षेत्र के विस्तार और सुरक्षात्मक व शोर-नियंत्रणरोधी उपायों की कमी से लोग चौतरफा शोर-शराबे में दिन बिताने को अभिशप्त हैं। हमें यह समझना ही होगा कि श्रवण-शक्ति का ह्रास न सिर्फ इंसान को प्रभावित करता है, बल्कि समाज पर भी नकारात्मक असर डालता है।

(i) शोर-प्रेरित बहरेपन का खतरा किस क्षेत्र से जुड़ें लोगों को कम है?

क) स्वास्थ्य-सेवाओं से जुड़े लोगों को
ख) जहाज-निर्माण से जुड़े लोगों को
ग) संगीत-कार्यक्रमों से जुड़े लोगों को
घ) खेल-आयोजनों से जुड़े लोगों को

(ii) गद्यांश के संदर्भ में अनुपयुक्त कथन है -

क) विकासशील देशों में शोर-नियंत्रणरोधी उपायों पर अधिक ध्यान नहीं दिया जाता है।
ख) कुछ खास सेवाओं से जुड़े युवा भी आज बहरेपन का शिकार हो रहे हैं।
ग) कुछ सेवाओं से जुड़े लोग अन्य की तुलना में बहरेपन के अधिक शिकार हैं।
घ) विकासशील देशों में अनौपचारिक क्षेत्र विस्तार की समस्या नहीं है।

(iii) विकासशील देशों के लोगों के जीवन को अभिशप्त क्यों कहा गया है?

क) वे शोर-शराबे से भरी जिंदगी जीने को विवश हैं।
ख) उनका जीवन अनेक आर्थिक संकटों से घिरा है।
ग) वे खराब सेहत वाली विवश जिंद्गी बसर करते हैं।
घ) उनका जीवन अनेक सामाजिक संकटों से घिरा है।

(iv) तीव्र आवाज़ का हमारे शरीर पर क्या प्रभाव पड़ता है?

क) श्रवण-कोशिकाएँ क्षतिग्रस्त
ख) तंत्रिका-कोशिकाएँ क्षतिग्रस्त
ग) ह्रदय-कोशिकाएँ क्षतिग्रस्त
घ) रक्त-कोशिकाएँ क्षतिग्रस्त

(v) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए:

कथन (A) - वर्तमान में श्रवण शक्ति का ह्रास एक सार्वजनिक समस्या बन गई है।
कारण (R) - आर्थिक विकास की अनियमित होड़ इस समस्या के मूल कारणों में से एक है।

क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।

ख) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) गलत है।

ग) कथन (A) सही है तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

घ) कथन (A) सही है, परंतु कारण (R) कथन (A) की गलत व्याख्या करता है।

3. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[2]**

(i) परीक्षा शब्द निम्नलिखित वर्गों में से किस वर्ग में आता है? **[1]**

क) विदेशज

ख) तत्सम

ग) तद्भव

घ) देशज

(ii) भाषा की बद्ध इकाई ______ कहलाती है। **[1]**

क) शब्द समूह

ख) शब्द

ग) पद

घ) वर्ण

4. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 2 के उत्तर दीजिये:** **[2]**

(i) निम्नलिखित शब्दों में से **अनुस्वार** के उचित प्रयोग वाला शब्द चुनिए- **[1]**
दण्डिंत, दडिंत, दंडिंत, दंडित

क) दण्डिंत

ख) दंडित

ग) दडिंत

घ) दंडिंत

(ii) अनुनासिक का संबंध होता है? **[1]**

क) केवल मुँह से

ख) केवल नाक से

ग) इनमें से कोई नहीं

घ) नाक और मुँह से

(iii) निम्नलिखित शब्दों में से **अनुनासिक** के उचित प्रयोग वाला शब्द चुनिए- **[1]**
भँवरा, भंवरा, भवराँ, भवँरा

क) भवँरा

ख) भंवरा

ग) भवराँ

घ) भँवरा

5. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 4 के उत्तर दीजिये:** **[4]**

(i) **धूमिल** शब्द में कौन-सा प्रत्यय हैं? [1]

क) इल | ख) मिल
ग) धूमि | घ) ल

(ii) 'सजावट' और 'लिखावट' में से मूल शब्द और प्रत्यय अलग कीजिए। [1]

क) सज + आहट, लिख + आहट | ख) सजाव + वट , लिखा + वट
ग) सज + आवट , लिख + आवट | घ) सजाना + आवट, लिखाना + आवट

(iii) उपसर्ग सहित शब्द है- [1]

क) प्रस्ताव | ख) प्रयोग
ग) ममता | घ) प्रतिमा

(iv) इनमें से किस शब्द में **परा** उपसर्ग है? [1]

क) पराधीन | ख) पराकाष्ठा
ग) परायण | घ) पराश्रित

(v) मुख्यतः प्रत्यय कितने प्रकार के होते हैं? [1]

क) तीन | ख) पाँच
ग) चार | घ) दो

6. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 3 के उत्तर दीजिये:** [3]

(i) परि + अंक : [1]

क) पयंक | ख) परंक
ग) पर्यंक | घ) पंक

(ii) पावक- [1]

क) वृद्धि संधि | ख) यण् संधि
ग) अयादि संधि | घ) गुण संधि

(iii) उचित संधि विच्छेद चुनिए- ब्रह्माण्ड [1]

क) ब्रह्मण + अंड　　　　ख) ब्रह्मा + अंड

ग) ब्रह्मान + ड　　　　घ) ब्रह + मांड

(iv) उचित संधि विच्छेद चुनिए- प्राप्त्याशा [1]

क) प्राप्तिया + शा　　　　ख) प्राप्ति + आशा

ग) प्रत्य + आशा　　　　घ) प्रात्या + आशा

7. **निम्नलिखित वाक्यों में से किन्ही तीन में उपयुक्त विराम चिह्नों का प्रयोग कीजिए -** [3]

i. क्यों यहाँ रहने में क्या बुराई है
ii. परिश्रम से ही सब कुछ प्राप्त हो जाता है यश प्रतिष्ठा धन सुख
iii. तभी बच्चा चिल्लाया नहीं मैं नहीं जाऊँगा
iv. मेरे माता पिता ने मुझे एक मोटी सी किताब पढ़ने के लिए दी है

8. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 2 के उत्तर दीजिये:** [2]

(i) मैं इक़बाल की पूरी कहानी नहीं सुनाऊँगा। - अर्थ के आधार पर वाक्य -भेद बताएं। [1]

क) निषेधवाचक वाक्य　　　　ख) संकेतवाचक वाक्य

ग) विस्मयादिवाचक वाक्य　　　　घ) आज्ञावाचक वाक्य

(ii) अर्थ की दृष्टि से वाक्य भेद बताइए- [1]
शायद वह हिंदी भाषा से अधिक अपनी बोली को महत्व देता है।

क) प्रश्नवाचक वाक्य　　　　ख) संदेहवाचक वाक्य

ग) विधानवाचक वाक्य　　　　घ) आज्ञावाचक वाक्य

(iii) अर्थ की दृष्टी से वाक्य भेद बताइए- [1]
मुझे वह पुस्तक उठा कर दो।

क) संदेहवाचक वाक्य　　　　ख) आज्ञावाचक वाक्य

ग) विधानवाचक वाक्य　　　　घ) प्रश्नवाचक वाक्य

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** [5]

यहाँ रोज कुछ बन रहा है
रीज कुछ घट रहा है
पहाँ स्मृति का भरोसा नहीं
एक ही दिन में पुरानी पड़ जाती है दुनिया
जैसे वसंत का गया पतझड़ को लौटा हैं

जैसे बैसाख का गया भादों को लौटा हूँ
अब यही है उपाय कि हर दरवाजा खटखटाओ
और पूछो-क्या यही है वो घर?
प्रमय बहुत कम है तुम्हारे पास
आ चला पानी ढहा आ रहा अकास
शायद पुकार ले कोई पहचाना ऊपर से देखकर।

(i) कवि के अनुसार, अब किस पर भरोसा नहीं किया जा सकता है?

क) पुराने हो चुके रास्तों पर
ख) नई बनने वाली यादों पर
ग) नए बनने वाले रास्तों पर
घ) पुरानी हो चुकी यादों पर

(ii) एक दिन में ही दुनिया पुरानी क्यों पड़ जाती है?

क) रोज नए परिवर्तन होने के कारण
ख) बीते हुए दिन का न लौटने के कारण
ग) बीता हुआ दिन पुराना होने के कारण
घ) पुरानी बातों को याद न रखने के कारण

(iii) **जैसे वसंत का गया पतझड़ को लौटा हू** पंक्ति से क्या आशय है?

क) सुख का दुःख में बदल जाना
ख) ऋतु का बदल जाना
ग) दुःख का सुख में बदल जाना
घ) समय की परिवर्तनशीलता

(iv) कवि प्रत्येक दरवाजे पर जाकर क्या पूछना चाहता है?

क) क्या वह उसे पहचानते हैं?
ख) क्या यह वही शहर है?
ग) क्या यह वही मकान है?
घ) क्या यह वही पुरानी स्मृति है?

(v) नए इलाके में जाने पर कवि क्या भूल जाता है?

क) रास्ता
ख) अपना कीमती सामान
ग) अपनी कविताओं की पुस्तक
घ) अपना पुराना कपड़ा

10. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[2]**

(i) रहीम के **दोहे** अनुसार फटे दूध से क्या नहीं निकलता? **[1]**

क) पनीर
ख) दूध
ग) जल
घ) मक्खन

(ii) रैदास चंदन किसको मानते हैं? [1]

क) कीमती वस्तुओं को
ख) स्वयं को
ग) परमात्मा को
घ) चंदन के वृक्ष को

11. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** [5]

तुम जहाँ बैठे निस्संकोच सिगरेट का धुआँ फेंक रहे हो, उसके ठीक सामने एक कैलेंडर है। देख रहे हो ना! इसकी तारीखें अपनी सीमा में नम्रता से फड़फड़ाती रहती हैं। विगत दो दिनों से मैं तुम्हें दिखाकर तारीखें बदल रहा हूँ। तुम जानते हो, यदि तुम्हें हिसाब लगाना आता है कि यह चौथा दिन है, तुम्हारे सतत् आतिथ्य का चौथा भारी दिन! पर तुम्हारे जाने की कोई संभावना प्रतीत नहीं होती। लाखों मील लंबी यात्रा करने के बाद वे दोनों एस्ट्रॉनाट्स भी इतने समय चाँद पर नहीं रुके थे, जितने समय तुम एक छोटी-सी यात्रा कर मेरे घर आए हो। तुम अपने भारी चरण-कमलों की छाप मेरी जमीन पर अंकित कर चुके, तुमने एक अंतरंग निजी संबंध मुझसे स्थापित कर लिया, तुमने मेरी आर्थिक सीमाओं की बैंजनी चट्टान देख ली; तुम मेरी काफी मिट्टी खोद चुके। अब तुम लौट जाओ, अतिथि! तुम्हारे जाने के लिए यह उच्च समय अर्थात् हाईटाइम है। क्या तुम्हें तुम्हारी पृथ्वी नहीं पुकारती?

(i) लेखक के घर आए अतिथि को कितने दिन हो गए हैं?

क) पाँच दिन
ख) केवल दो दिन
ग) चार दिन
घ) केवल एक दिन

(ii) लेखक को अतिथि का चार दिन उसके घर पर रहना भारी क्यों लग रहा है?

क) क्योंकि उसके रहने से लेखक के घर का बजट बिगड़ गया है।
ख) क्योंकि वह लेखक का सामान प्रयोग कर रहा है।
ग) क्योंकि वह बहुत अधिक भोजन ग्रहण करता हैं।
घ) क्योंकि वह स्वयं को लेखक के घर का मालिक समझ रहा है।

(iii) अतिथि के इतने दिन रुकने के बाद भी लेखक को क्या संभावना प्रतीत नहीं हो रही है?

क) सभी विकल्प सही हैं
ख) अतिथि के वापस जाने की
ग) अतिथि के खुश होने की
घ) अतिथि को परेशान करने की

(iv) लेखक के घर अतिथि कैसे आया था?

क) कष्टपूर्ण यात्रा करके
ख) आरामदायक आनंदपूर्ण यात्रा करके
ग) लाखों मील लंबी यात्रा करके
घ) एक छोटी-सी यात्रा करके

(v) लेखक द्वारा बार-बार कैलेंडर की तरीख बदल कर दिखाने पर अतिथि की क्या प्रतिक्रिया रही?

क) वह शीघ्र ही वापस घर जाने के लिए तैयार हो गया
ख) वह लेखक पर क्रोधित हो गया
ग) वह निश्चिंत भाव से सिगरेट का धुआँ उड़ाता रहा
घ) वह स्वयं आत्मग्लानि से भर गया

12. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[2]**

(i) **शुक्रतारे के समान** पाठ के अनुसार सन् 1934-35 में गांधीजी कहाँ रहने लगे? **[1]**

क) सेगाँव
ख) वर्धा के महिला आश्रम
ग) गुजरात
घ) मगनवाड़ी

(ii) तेनजिंग की सबसे छोटी पुत्री का क्या नाम था? **एवरेस्ट : मेरी शिखर यात्रा** पाठ के अनुसार बताइए। **[1]**

क) डॉ० मीनू
ख) की
ग) डेकी
घ) रीता गोम्बू

खंड - ब (वर्णनात्मक प्रश्न)

13. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 2 के उत्तर दीजिये:** **[6]**

(i) एवरेस्ट शिखर पर पहुँचकर बछेन्द्री पाल ने स्वयं को किस प्रकार सुरक्षित रूप से स्थिर किया? **[3]**

(ii) उस स्त्री को देखकर लेखक को कैसा लगा? **दुःख का अधिकार** पाठ के आधार पर बताइए। **[3]**

(iii) महादेव भाई की साहित्यिक देन क्या है? शुक्र तारे के समान पाठ के आधार पर लिखिए। **[3]**

14. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 2 के उत्तर दीजिये:** **[6]**

(i) भाव स्पष्ट कीजिए- जहाँ काम आवे सुई, कहा करे तरवारि। **[3]**

(ii) पहले पद में कुछ शब्द अर्थ की दृष्टि से परस्पर संबद्ध हैं। ऐसे शब्दों को छाँटकर लिखिए- **[3]**
उदाहरण :

दीपक	बाती

(iii) अग्निपथ में क्या नहीं माँगना चाहिए? **[3]**

15. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 2 के उत्तर दीजिये:** **[6]**

(i) भोजन के संबंध में लेखिका को अन्य पालतू जानवरों और गिल्लू में क्या अंतर नज़र आया? **[3]**

(ii) **स्मृति** पाठ में लेखक ने क्या काम किया, जिससे वह भारी मुसीबत में फँस गया? **[3]**

(iii) धर्मवीर भारती का जीवन बचाने के लिए डॉ. बोर्जेस ने जो खतरा उठाया क्या वह उचित था? **मेरा छोटा-सा निजी पुस्तकालय** पाठ के आधार पर अपने विचार प्रकट कीजिए। इससे आप क्या प्रेरणा ग्रहण करते हैं? **[3]**

16. **स्वच्छता आंदोलन** विषय पर दिए गए संकेत-बिन्दुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए। **[6]**

- क्यों
- बदलाव
- हमारा उत्तरदायित्व

अथवा

परहित सरिस धर्म नहिं भाई अथवा परोपकार विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- सूक्ति से तात्पर्य
- मानव एवं पशु में अंतर
- परोपकारियों के उदाहरण
- भारतीय संस्कृति में परोपकार का महत्त्व

अथवा

ग्लोबल वार्मिंग विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- ग्लोबल वार्मिंग क्या है तथा कैसे होती है?
- दुष्परिणाम
- बचाव तथा उपसंहार

17. आपको विज्ञान-मेले में भाग लेने का सुअवसर मिला। अपने अनुभव व्यक्त करते हुए 27/4 - बी नेहरू कॉलोनी, राजनगर, गाजियाबाद (उप्र) निवासी मोरध्वज की तरफ से अपने मित्र पीयूष को पत्र लिखिए। **[6]**

अथवा

अपने पिताजी की आज्ञा बिना अपने कुछ मित्रों के साथ विद्यालय से अनुपस्थित होकर आईपीएल मैच देखा जिसकी सूचना आपके पिताजी को किसी अन्य व्यक्ति से मिली है। अब आप अपने पिताजी से माँफी माँगते हुए एक क्षमा याचना का पत्र लिखिए।

18. दिए गए चित्र को देखकर लगभग 100 शब्दों में वर्णन कीजिए। [5]

19. यात्री और बस चालक के बीच होने वाले संवाद को लगभग 50 शब्दों में लिखिए। [5]

अथवा

स्वच्छता-अभियान पर माँ-बेटी के बीच संवाद को लिखिए।

Answers

खंड अ (वस्तुपरक प्रश्न)

1. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

आज के आधुनिक समय में महिला सशक्तीकरण एक विशेष चर्चा का विषय है। हमारे आदि-ग्रंथों में नारी के महत्त्व को मानते हुए यहाँ तक बताया गया है कि ' 'यत्र नार्यस्तु पूज्यंते रमंते तत्र देवता:" अर्थात् जहाँ नारी की पूजा होती है, वहाँ देवता निवास करते हैं।

लेकिन विडंबना तो देखिए नारी में इतनी शक्ति होने के बावजूद भी उसके सशक्तीकरण की अत्यंत आवश्यकता महसूस हो रही है। महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण का अर्थ उनके आर्थिक फैसलों, आय, संपत्ति और दूसरी वस्तुओं की उपलब्धता से है, इन सुविधाओं को पाकर ही वह अपने सामाजिक स्तर को ऊँचा कर सकती है।

महिला सशक्तीकरण भौतिक या आध्यात्मिक, शारीरिक या मानसिक, सभी स्तर पर महिलाओं में आत्मविश्वास पैदा कर उन्हें सशक्त बनाने की प्रक्रिया है। महिलाओं के सामाजिक सशक्तीकरण में शिक्षा की अहम भूमिका है। ग्रामीण महिलाएँ सदियों से घर-खेत में पुरुषों के बराबर ही काम करती आई हैं, लेकिन वहाँ उन्हें सामंती सोच के कारण दूसरे दर्जे का नागरिक ही माना जाता रहा है।

ग्रामीण समाज की सोच बदलने का वक्त अब आ गया है। महिलाओं की बेहतरी के लिए गाँवों में पहल की जानी चाहिए। नारी सशक्तीकरण के इस वर्तमान दौर में महिलाएँ केवल आर्थिक रूप से सुदृढ़ ही नहीं हुई, अपितु समाज एवं परिवार की सोच में भी सकारात्मक परिवर्तन दिखाई देने प्रारंभ हो गए हैं। आज महिलाएँ प्रत्येक क्षेत्र में स्वयं के बल पर आगे बढ़ रही हैं, चाहे सामाजिक क्षेत्र हो, राजनीतिक हो, शिक्षा हो, रोज़गार हो, सभी जगह महिलाओं ने अपना परचम लहराया है। वर्तमान समय में लोग बेटियों को बोझ न समझें और दुनिया में आने से पहले मारे नहीं, इसलिए सरकार ने बहुत सारी योजनाओं; जैसे-लाडली योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ तथा उड़ान आदि की शुरुआत की है।

(i) **(घ)** सभी
व्याख्या: सभी

(ii) **(ग)** दूसरे दर्जे का
व्याख्या: दूसरे दर्जे का

(iii) **(ख)** सभी
व्याख्या: सभी

(iv) **(ख)** सभी
व्याख्या: सभी

(v) **(ख)** कथन i, ii व iii सही हैं
व्याख्या: कथन i, ii व iii सही हैं

2. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

शोर से होने वाली बहरेपन की बीमारी एक गंभीर स्वास्थ्यगत समस्या है। तेज आवाज हमारी श्रवण कोशिकाओं पर बहुत दबाव डालती है, जिससे वे स्थायी रूप से चोटिल हो सकती हैं। यदि सुनने की क्षमता एकबार चली गई तो उसे पुनः पाना नामुमकिन है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की **वर्ल्ड हीयरिंग रिपोर्ट** के मुताबिक विश्व की 1.5 अरब आबादी बहरेपन के साथ जी रही है। ध्वनि प्रदूषण दरअसल ऐसे अवांछित विद्युत चुंबकीय संकेत है, जो इंसान को कई रूपों में नुकसान पहुँचाते हैं। इसीलिए, शोर-प्रेरित बहरेपन पर फौरन ध्यान देने की जरूरत है। वैश्विक अध्ययन बताते हैं कि निर्माण कार्य, औद्योगिक कामकाज, जहाज बनाने या मरम्मत करने संबंधी काम, अग्निशमन, नागरिक उड्डयन आदि सेवाओं में लगे श्रमिकों में शोर-प्रेरित बहरेपन का खतरा अधिक होता है। आकलन है कि 15 फीसदी नौजवान संगीत-कार्यक्रमों, खेल-आयोजनों और दैनिक कामकाज में होने वाले शोर से बहरेपन का शिकार होते हैं। शोर-प्रेरित बहरेपन की समस्या विकासशील देशों में ज्यादा है, जहाँ तीव्र औद्योगीकरण, अनौपचारिक क्षेत्र के विस्तार और सुरक्षात्मक व शोर-नियंत्रणरोधी उपायों की कमी से लोग चौतरफा शोर-शराबे में दिन बिताने को अभिशप्त हैं। हमें यह समझना ही होगा कि श्रवण-शक्ति का ह्रास न सिर्फ इंसान को प्रभावित करता है, बल्कि समाज पर भी नकारात्मक असर डालता है।

(i) **(क)** स्वास्थ्य-सेवाओं से जुड़े लोगों को
व्याख्या: स्वास्थ्य-सेवाओं से जुड़े लोगों को

(ii) **(घ)** विकासशील देशों में अनौपचारिक क्षेत्र विस्तार की समस्या नहीं है।
व्याख्या: विकासशील देशों में अनौपचारिक क्षेत्र विस्तार की समस्या नहीं है।

(iii) **(क)** वे शोर-शराबे से भरी जिंदगी जीने को विवश हैं।
व्याख्या: वे शोर-शराबे से भरी जिंदगी जीने को विवश हैं।

(iv) **(क)** श्रवण-कोशिकाएँ क्षतिग्रस्त
व्याख्या: श्रवण-कोशिकाएँ क्षतिग्रस्त

(v) **(ग)** कथन (A) सही है तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।
व्याख्या: कथन (A) सही है तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:

(i) **(ख)** तत्सम
व्याख्या: तत्सम

(ii) **(ग)** पद
व्याख्या: भाषा के नियमों में बँधा होने के कारण ही शब्द पद कहलाता है तथा यह लिंग, वचन, काल आदि से प्रभावित होता है।

4. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 2 के उत्तर दीजिये:

(i) **(ख)** दंडित
व्याख्या: दंडित

(ii) **(घ)** नाक और मुँह से
व्याख्या: नाक और मुँह से

(iii)**(घ)** भँवरा

व्याख्या: भँवरा

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 4 के उत्तर दीजिये:

(i) **(क)** इल

व्याख्या: इल

(ii) **(ग)** सज + आवट , लिख + आवट

व्याख्या: 'सजावट' और 'लिखावट' शब्द में 'सज' और 'लिख' क्रमशः मूल शब्द हैं और दोनों में ही 'आवट' प्रत्यय है।

(iii)**(ख)** प्रयोग

व्याख्या: प्र + योग

(iv)**(ख)** पराकाष्ठा

व्याख्या: पराकाष्ठा

(v) **(घ)** दो

व्याख्या: प्रत्यय दो प्रकार के होते हैं i.- कृत ii.- तद्धित

6. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 3 के उत्तर दीजिये:

(i) **(ग)** पर्यंक

व्याख्या: पर्यंक

(ii) **(ग)** अयादि संधि

व्याख्या: अयादि संधि

(iii)**(ख)** ब्रह्मा + अंड

व्याख्या: ब्रह्मा + अंड

(iv)**(ख)** प्राप्ति + आशा

व्याख्या: प्राप्ति + आशा

7. i. क्यों, यहाँ रहने में क्या बुराई है?

ii. परिश्रम से ही सब कुछ प्राप्त हो जाता है- यश, प्रतिष्ठा, धन, सुख।

iii. तभी बच्चा चिल्लाया, "नहीं! मैं नहीं जाऊँगा।"

iv. मेरे माता-पिता ने मुझे एक मोटी-सी किताब पढ़ने के लिए दी है।

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 2 के उत्तर दीजिये:

(i) **(क)** निषेधवाचक वाक्य

व्याख्या: प्रस्तुत वाक्य निषेधवाचक वाक्य है।

(ii) **(ख)** संदेहवाचक वाक्य

व्याख्या: संदेहवाचक वाक्य

(iii)**(ख)** आज्ञावाचक वाक्य

व्याख्या: आज्ञावाचक वाक्य

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**
यहाँ रोज कुछ बन रहा है
रीज कुछ घट रहा है
पहाँ स्मृति का भरोसा नहीं
एक ही दिन में पुरानी पड़ जाती है दुनिया
जैसे वसंत का गया पतझड़ को लौटा हैं
जैसे बैसाख का गया भादों को लौटा हूँ
अब यही है उपाय कि हर दरवाजा खटखटाओ
और पूछो-क्या यही है वो घर?
प्रमय बहुत कम है तुम्हारे पास
आ चला पानी ढहा आ रहा अकास
शायद पुकार ले कोई पहचाना ऊपर से देखकर।

(i) **(ग)** नए बनने वाले रास्तों पर
व्याख्या: नए बनने वाले रास्तों पर

(ii) **(क)** रोज नए परिवर्तन होने के कारण
व्याख्या: रोज नए परिवर्तन होने के कारण

(iii) **(घ)** समय की परिवर्तनशीलता
व्याख्या: समय की परिवर्तनशीलता

(iv) **(ग)** क्या यह वही मकान है?
व्याख्या: क्या यह वही मकान है?

(v) **(क)** रास्ता
व्याख्या: रास्ता

10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:

(i) **(घ)** मक्खन
व्याख्या: रहीम के **दोहे** अनुसार फटे दूध से मक्खन नहीं निकलता है।

(ii) **(ग)** परमात्मा को
व्याख्या: रैदास परमात्मा को चंदन मानते हैं।

11. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**
तुम जहाँ बैठे निस्संकोच सिगरेट का धुआँ फेंक रहे हो, उसके ठीक सामने एक कैलेंडर है। देख रहे हो ना! इसकी तारीखें अपनी सीमा में नम्रता से फड़फड़ाती रहती हैं। विगत दो दिनों से मैं तुम्हें दिखाकर तारीखें बदल रहा हूँ। तुम जानते हो, यदि तुम्हें हिसाब लगाना आता है कि यह चौथा दिन है, तुम्हारे सतत् आतिथ्य का चौथा भारी दिन! पर तुम्हारे जाने की कोई संभावना प्रतीत नहीं होती। लाखों मील लंबी यात्रा करने के बाद वे दोनों एस्ट्रॉनाट्स भी इतने समय चाँद पर नहीं रुके थे, जितने समय तुम एक छोटी-सी यात्रा कर मेरे घर आए हो। तुम अपने भारी चरण-कमलों की छाप मेरी जमीन पर अंकित कर चुके, तुमने एक अंतरंग निजी संबंध मुझसे स्थापित कर लिया, तुमने मेरी आर्थिक सीमाओं की बैंजनी चट्टान देख ली; तुम मेरी काफी मिट्टी खोद चुके। अब तुम लौट

जाओ, अतिथि! तुम्हारे जाने के लिए यह उच्च समय अर्थात् हाईटाइम है। क्या तुम्हें तुम्हारी पृथ्वी नहीं पुकारती?

(i) **(ग)** चार दिन
व्याख्या: चार दिन

(ii) **(क)** क्योंकि उसके रहने से लेखक के घर का बजट बिगड़ गया है।
व्याख्या: क्योंकि उसके रहने से लेखक के घर का बजट बिगड़ गया है।

(iii) **(ख)** अतिथि के वापस जाने की
व्याख्या: अतिथि के वापस जाने की

(iv) **(घ)** एक छोटी-सी यात्रा करके
व्याख्या: एक छोटी-सी यात्रा करके

(v) **(ग)** वह निश्चिंत भाव से सिगरेट का धुआँ उड़ाता रहा
व्याख्या: वह निश्चिंत भाव से सिगरेट का धुआँ उड़ाता रहा

12. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:

(i) **(क)** सेगाँव
व्याख्या: सेगाँव

(ii) **(ग)** डेकी
व्याख्या: तेनजिंग की सबसे छोटी पुत्री का नाम डेकी था।

खंड - ब (वर्णनात्मक प्रश्न)

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 2 के उत्तर दीजिये:

(i) एवरेस्ट शिखर सँकरा व नुकीला था। अतः वहाँ पहुँचकर स्वयं को सुरक्षित रूप से स्थिर करने के लिए बछेन्द्री पाल ने बर्फ के फावड़े से खुदाई की और उसके उपरान्त घुटनों के बल बैठकर 'सागरमाथे' के शिखर का चुंबन किया।

(ii) उस स्त्री को देखकर लेखक के मन में उस स्त्री के प्रति सहानुभूति की भावना उत्पन्न हुई, लेखक को उसके दुख का आभास हुआ।

(iii) महादेव को प्रथम श्रेणी की शिष्ट, सम्पन्न भाषा और मनोहारी लेखन-शैली की ईश्वरीय देन मिली थी। गाँधी जी की आत्मकथा 'सत्य के प्रयोग' का अंग्रेज़ी अनुवाद इन्होंने किया। नरहरि भाई के साथ उन्होंने टैगोर द्वारा रचित साहित्य का उलटना-पुलटना शुरू किया। टैगोर द्वारा रचित 'विदाई का अभिशाप' 'शीर्षक नाटिका', 'शरद बाबू की कहानियाँ' आदि अनुवाद उस समय की उनकी साहित्यिक देन हैं।

14. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 2 के उत्तर दीजिये:

(i) इन पंक्तियों से कवि हमें समझा रहे हैं कि हर किसी को समान नजरों से देखना चाहिए। हर किसी चीज की उपयोगिता तय है। फिर चाहे वो छोटी वस्तु हो या बड़ी। ऐसा नहीं कि बड़ी चीज के आगे छोटी का कोई महत्व नहीं। कवि ने इस बात को सूई और तलवार का उदाहरण देकर समझाया है। सूई जो काम कर सकती है वो काम तलवार नहीं कर सकती। ठीक इसी तरह जो

काम तलवार से लिया जा सकता है, वो सूई कभी नहीं कर सकती।अत: सबकी अपनी-अपनी उपयोगिता होती है।

(ii)

दीपक	बाती
चंदन	पानी
चंद्र	चकोरा
मोती	धागा
दिन	राती
स्वामी	दासा

(iii)'अग्निपथ' अर्थात् - संघर्षमयी जीवन में हमें चाहे अनेक घने वृक्ष मिलें, परंतु हमें एक पत्ते की छाया की भी इच्छा नहीं करनी चाहिए। किसी भी सहारे के सुख की कामना नहीं करनी चाहिए।

15. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 2 के उत्तर दीजिये:

(i) लेखिका ने अनेक पशु-पक्षी पाल रखे थे, जिनसे उन्हें बहुत लगाव था परंतु भोजन के संबंध में लेखिका को अन्य पालतू जानवरों और गिल्लू में यह अंतर नज़र आया कि उनमें से किसी जानवर ने लेखिका के साथ उसकी थाली में खाने की हिम्मत नहीं की परन्तु गिल्लू खाने के समय मेज़ पर आ जाता और लेखिका की थाली में बैठकर खाने का प्रयास करता।

(ii) 'स्मृति' पाठ में लेखक ने जिस घटनाक्रम का वर्णन किया है, उस समय लेखक बाल्यावस्था में था। बालसुलभ शैतानियाँ करने के कारण ही लेखक इस भारी मुसीबत में फँसा था। लेखक के स्कूल आने-जाने के मार्ग में एक पानी रहित कच्चा कुआँ पड़ता था। उसमें एक काला साँप गिरा हुआ था। लेखक और उसके साथी रोज़ स्कूल आते-जाते उसमें पत्थर फेंकते और साँप की फुसकार सुनकर आनंदित होते थे। एक दिन जब लेखक के बड़े भाई ने डाकखाने में चिट्ठियाँ डाल आने के लिए कहा, तो लेखक मार्ग में पड़ने वाले इस कुएँ में रहने वाले साँप की फुसकार सुनने का लोभ संवरण न कर सका। उसने पत्थर फेंका, तो टोपी निकालकर झुकने के कारण टोपी में रखी चिट्ठियाँ कुएँ में गिर पड़ीं, जिससे वह भारी मुसीबत में फँस गया।

(iii)वर्ष 1989 में लेखक धर्मवीर भारती को तीन हार्ट-अटैक आए। सभी डॉक्टरों ने जवाब दे दिया था, परंतु डॉक्टर बोर्जेस ने हिम्मत नहीं हारी और लेखक की धड़कन लौटाने के लिए 900 वॉल्ट्स के शॉक्स दिए। उनका मानना था कि यदि शरीर मृत है, तो उसे दर्द महसूस ही नहीं होगा, किंतु यदि एक कण भी प्राण शेष होंगे, तो हार्ट पुनर्जीवित हो सकता है। डॉक्टर के इस प्रयोग से लेखक के प्राण तो लौट आए, किंतु उसका 60% हार्ट सदा के लिए नष्ट हो गया। डॉक्टर बोर्जेस द्वारा लेखक को 900 वॉल्ट्स का शॉक्स दिया जाना पूरी तरह उचित था, क्योंकि उनके के जीवन को बचाने हेतु यही अंतिम उपाय था। यदि इसे नहीं किया जाता, तो संभवतः लेखक जीवित नहीं रहता। बाहरी तौर पर क्रूर लगने वाला यह तरीका लेखक की जीवन रक्षा के लिए अपरिहार्य था। डॉक्टर बोर्जेस के द्वारा लेखक धर्मवीर भारती का जीवन बचाने के लिए किया गया प्रयास हमें अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से निर्वहन करने की प्रेरणा के साथ ही मनुष्य के प्रति स्नेह एवं आत्मीयता की भावना के विस्तार की भी प्रेरणा देता है।

16. स्वच्छ भारत अभियान एक राष्ट्रीय स्वच्छता मुहिम है, जो भारत सरकार द्वारा स्थापित किया गया है। यह एक बड़ा आंदोलन है, जिसके तहत भारत को पूर्णतः स्वच्छ बनाना है। इसमें स्वस्थ और सुखी जीवन के लिए महात्मा गाँधी के भारत के सपने को आगे बढ़ाया गया है। इस मिशन को 2 अक्टूबर, 2014 को बापू के 145वें जन्म दिवस के शुभ अवसर पर आरम्भ किया गया और 2 अक्टूबर 2019; बापू के 150वें जन्म दिवस तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया था। स्वच्छ भारत का सपना महात्मा गाँधी के द्वारा देखा गया था जिसके संदर्भ में गाँधीजी ने कहा था कि "स्वच्छता स्वतंत्रता से ज्यादा जरूरी है।" स्वच्छ भारत अभियान एक राष्ट्रव्यापी सफाई अभियान के रूप में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की गई मुहिम है। यह अभियान स्वच्छ भारत की कल्पना की दृष्टि से लागू किया गया है। भारत को एक स्वच्छ देश बनाना महात्मा गाँधी का सपना था। इस मिशन का उद्देश्य सफाई व्यवस्था की समस्या का समाधान निकालना, साथ ही सभी को स्वच्छता की सुविधा के निर्माण द्वारा पूरे भारत में बेहतर मल प्रबंधन करना है। इस उद्देश्य की प्राप्ति तक भारत में इस मिशन की कार्यवाही निरंतर चलती रहनी चाहिए। भौतिक, मानसिक, सामाजिक और बौद्धिक कल्याण के लिए भारत के लोगों में इसका एहसास होना बहुत आवश्यक है। यह सही मायनों में भारत की सामाजिक स्थिति को बढ़ावा देने के लिए है, जो हर तरफ स्वच्छता लाने से शुरू किया जा सकता है। नगर निगम के कचरे का पुनर्चक्रण और दुबारा इस्तेमाल, सुरक्षित समापन, वैज्ञानिक तरीके से मल प्रबंधन को लागू करना मुख्य उद्देश्य हैं। खुद के स्वास्थ्य के प्रति भारत के लोगों की सोच और स्वभाव में परिवर्तन लाना और स्वास्थ्यकर साफ-सफाई की प्रक्रियाओं का पालन करना आवश्यक है।

अथवा

परहित सरिस धर्म नहिं भाई अथवा परोपकार

गोस्वामी तुलसीदास ने कहा है कि
परहित सरिस धर्म नहिं भाई।
परपीड़ा सम नहिं अधमाई।।
अर्थात् परहित (परोपकार) के समान दूसरा कोई धर्म नहीं है और दूसरों को पीड़ा (कष्ट) देने के समान कोई अन्य नीचता या नीच कर्म नहीं है। पुराणों में भी कहा गया है, 'परोपकारः पुण्याय पापाय परपीड़नम्' अर्थात् दूसरों का उपकार करना सबसे बड़ा पुण्य तथा दूसरों को कष्ट पहुँचाना सबसे बड़ा पाप है।

परोपकार की भावना से शून्य मनुष्य पशु तुल्य होता है, जो केवल अपने स्वार्थों की पूर्ति तक ही स्वयं को सीमित रखता है। मनुष्य जीवन बेहतर है, क्योंकि मनुष्य के पास विवेक है। उसमें दूसरों की भावनाओं एवं आवश्यकताओं को समझने तथा उसकी पूर्ति करने की समझ है। इसी कारण मनुष्य सर्वश्रेष्ठ प्राणी है।

इस दुनिया में महात्मा बुद्ध, ईसा मसीह, दधीचि ऋषि, अब्राहम लिंकन, मदर टेरेसा, बाबा आम्टे जैसे अनगिनत महापुरुषों के जीवन का उद्देश्य परोपकार ही था। परोपकार ही वह गुण है जिसके कारण प्रभु ईसा मसीह सूली पर चढ़े, गाँधी जी ने गोली खाई तथा गुरु गोविंद सिंह जी ने अपने सम्मुख अपने बच्चों को दीवार में चुनते हुए देखा । भारतीय संस्कृति में भी इस तथ्य को रेखांकित किया गया है कि मनुष्य को उस प्रकृति से प्रेरणा लेनी चाहिए, जिसके कण-कण में परोपकार की भावना व्याप्त है। भारतीय संस्कृति में इसी भावना के कारण पूरी पृथ्वी को एक कुटुंब माना गया है

तथा विश्व को परोपकार संबंधी संदेश दिया गया है। इसमें सभी जीवों के सुख की कामना की गई है।

अथवा

वैश्विक तापमान यानी ग्लोबल वार्मिंग आज विश्व की सबसे बड़ी समस्या बन चुकी है। इससे न केवल मनुष्य, बल्कि पृथ्वी पर रहने वाला प्रत्येक प्राणी त्रस्त है। 'ग्लोबल वार्मिंग' शब्द का अर्थ है'संपूर्ण पृथ्वी के तापमान में वृद्धि होना।' हमारी पृथ्वी पर वायुमंडल की एक परत है, जो विभिन्न गैसों से मिलकर बनी है, जिसे ओज़ोन परत कहते हैं। ये ओज़ोन परत सूर्य से आने वाली पराबैंगनी तथा अन्य हानिकारक किरणों को पृथ्वी पर आने से रोकती है। मानवीय क्रियाओं द्वारा ओज़ोन परत में छिद्र हो जाने के कारण सूर्य की हानिकारक किरणें पृथ्वी के वातावरण में प्रवेश कर रही हैं।

परिणामस्वरूप पृथ्वी के तापमान में लगातार वृद्धि हो रही है। ग्लोबल वार्मिंग के कारण कई समुद्री तथा पृथ्वी पर रहने वाले जीव-जंतुओं की प्रजातियों के अस्तित्व पर खतरा छाया हुआ है, साथ ही मनुष्यों को भी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। यदि समय रहते ग्लोबल वार्मिंग को रोकने के उपाय नहीं किए, तो हमारी पृथ्वी जीवन के योग्य नहीं रह जाएगी। इसे रोकने के लिए हमें प्रदूषण को कम करना होगा। साथ ही कार्बन डाइऑक्साइड सहित अन्य गैसों के उत्सर्जन में कमी तथा वृक्षारोपण को बढ़ावा देना होगा, जिससे प्रकृति में पर्यावरण संबंधी संतुलन बना रहे।

17. 27/4बी, नेहरू कॉलोनी,
राजनगर, गाजियाबाद (उ०प्र०)।
02 मार्च, 2019
प्रिय मित्र पीयूष,
सादर नमस्कार।

तुम्हारा भेजा पत्र मिला। तुम्हारी कुशलता के बारे में जानकर काफी खुशी हुई। क्षमा करना, मैं समय से पत्रोत्तर न दे सका, क्योंकि उस समय मैं विज्ञान-भवन में आयोजित विज्ञान-मेले में भाग ले रहा था।

मित्र 24 फरवरी से 28 फरवरी 2019 तक विज्ञान-भवन में बाल मेले का आयोजन किया गया था, जिसमें विभिन्न विद्यालयों के चुने हुए छात्रों ने भाग लिया। मेरे विद्यालय में विज्ञान शिक्षक ने चार छात्रों का चयन किया, जिसमें एक मैं भी था, हम सब को इस मेले में भाग लेने विज्ञान भवन भेजा गया। यहाँ प्रत्येक विद्यालय के लिए स्थान निर्धारित थे, जहाँ छात्रों को अपने मॉडल की प्रस्तुति करनी थी। हमारे विद्यालय के छात्रों ने सौर ऊर्जा पर आधारित मॉडल प्रस्तुत किया। यह मेला 4 बजे तक रहता था। उसके उपरांत सभी छात्र हॉल में एकत्र हो सांस्कृतिक कार्यक्रम का आनंद उठाते थे। हमें विभिन्न वैज्ञानिकों की जीवनी और उनके आविष्कार संबंधी चलचित्र भी दिखाए जाते थे। यहाँ हमें एक नया अनुभव प्राप्त हुआ। मित्र, तुम्हें भी यदि ऐसा अवसर मिले तो हाथ से मत जाने देना।

अपने माता-पिता को मेरा प्रणाम तथा भूमिका को स्नेह कहना।
तुम्हारा अभिन्न मित्र,
मोरध्वज

अथवा

बसंत छात्रावास
राजकीय उच्चतम माध्यमिक विद्यालय
प्रीत विहार
नई दिल्ली।
परम पूज्य पिताजी,
सादर प्रणाम।
आशा है घर में सभी सकुशल होंगे।
आपके पत्र से पता चला कि आपकी अनुमति के बिना अपने कुछ मित्रों के साथ विद्यालय से अनुपस्थित होकर मेरे आईपीएल मैच देखने से आप नाराज़ हैं।
मैं अपनी गलती स्वीकार करता हूँ। लड़कों के कहने में आकर मैं उनके साथ मैच देखने चला गया था। मैंने पढ़ाई को भी गम्भीरता से नहीं लिया। मैं समझ गया कि जब यह सूचना आपको अन्य व्यक्ति से मिली होगी तो आपको कैसा लगा होगा? पिताजी, अब आप कभी मेरी शिकायत नहीं सुनेंगे। मैं नियमित विद्यालय में उपस्थित रहूँगा तथा छात्रावास में रहकर अध्ययन में रुचि लूँगा। ऐसे गलत लड़कों की संगति भी छोड़ दूँगा। मैं पुन: आपको विश्वास दिलाता हूँ कि मैं अब सही मार्ग पर चलूँगा। पिछली गलतियों के लिए मैं आपसे क्षमा माँगता हूँ। घर में माताजी को प्रणाम। छोटों तथा बड़ों को यथोचित अभिवादन।
आपका आज्ञाकारी पुत्र
गोविन्द सिंह

18. यह चित्र दीपावली के त्योहार का है। यह त्योहार खुशियों का प्रकाश का त्योहार कहलाता है। चित्र में एक घर है जिसके सामने एक पंक्ति में दिए जल रहे हैं। घर के सामने एक बड़ा-सा मैदान है जहाँ बच्चे दीवाली का त्योहार मनाते दिखाई दे रहे हैं। दो बच्चे एक-दूसरे को मिठाई खिला रहे हैं। पास में एक लड़की खुशी से चहकती हुई मिठाई लेने के लिए हाथ बढ़ा रही है। उनके पीछे एक बच्चा अनार छुड़ाकर उसमें से निकलती रोशनी को देखकर खुश हो रहा है। दो बच्चे (शायद भाई बहन) पटाखे को छुड़ाने की तैयारी में हैं। मुझे भी दिवाली बहुत पसंद है। पूरा चित्र खुशी की झलक दे रहा है।
जन-जन ने हैं दीप जलाए, लाखों और हजारों ही
धरती पर आकाश आ गया, शोभा लिए सितारों की।

19. यात्री - भाई। बस कितने बजे चलेगी?
चालक - साढ़े पाँच बजे।
यात्री - लेकिन साढ़े पाँच तो हो गए हैं, फिर देरी क्यों?
चालक - बस चलने ही वाली है।
यात्री - आजकल बसों के चलने का कोई समय नहीं है। आपकी इच्छा से चलती है।
चालक - आप बिना वजह ही मुझसे बहस कर रहे हैं। हमारी बसों का समय है और हम उसी के अनुसार चलते हैं।

अथवा

प्रेरणा - माँ, उधर देखो! कितना कचरा जमा पड़ा है। लगता है जैसे हफ़्तों से सफाई ही नहीं हुई है |
माँ - हाँ बेटी! मुझे भी ऐसा ही लग रहा है | इसी कचरे को साफ करने के लिए तो वर्तमान

प्रधानमंत्री ने स्वच्छता अभियान चलाया है।
प्रेरणा -माँ, क्या इस स्वच्छता अभियान से हमारा मोहल्ला साफ सफ़ाई वाला हो जाएगा?
माँ - हाँ, बेटी! पर इसके लिए स्वच्छता अभियान में तुमको, मुझे और समस्त मोहल्लेवासियों को भाग लेना पड़ेगा।
प्रेरणा - किस तरह का भाग माँ?
माँ - बेटी, हमें जहाँ कहीं भी गंदगी मिले उसे तुरंत साफ करना होगा। हमें अपने आस-पास के लोगों को स्वच्छता से अवगत कराना होगा ....और ....
प्रेरणा - ...... और माँ हमें जगह-जगह पर रखे हुए कूड़ेदान का प्रयोग करना होगा।
माँ - हाँ बेटी! अब तुम भी ये बात समझ गई हो। तुम भी अपने दोस्तों को स्वच्छता से अवगत कराओं।
प्रेरणा- ठीक है माँ, मैं आज शाम को अपने मित्रों को एकत्रित कर स्वच्छता के लाभों से अवगत कराऊँगी।
माँ- ऐसा करके तुम स्वच्छ माहौल बनाने में अपनी भागीदारी निभाओ।
प्रेरणा- ठीक है माँ, मैं ऐसा ही करुँगी।